

श्रीमद् भागवत रसिक कुटुंब

तुलसी जी की आरती



नमो नमः तुलसी कृष्ण प्रेयसी ।

राधा कृष्ण सेवा पाबो एई अभिलाषी ॥

(2)

जे तोमार शरण लय, तार वांछा पूर्ण हय।

कृपा करि कर तारे वृंदावनवासी ॥

(3)

मोर एई अभिलाष, विलास कुन्जे दिओ वास।

नयने हेरिबो सदा, युगल-रूप राशि ॥

(4)

एइ निवेदन धर, सखीर अनुगत कर।

सेवा-अधिकार दिये, कर निज दासी ॥

(5)

दीन कृष्णदासे कय, एइ येन मोर हय।

श्री राधा गोविंदा प्रेमे सदा येन भासि ॥

श्री तुलसी प्रदक्षिणा मंत्र
यानि कानि च पापानी ब्रह्म हत्यादिकानी च।
तानि तानि प्रणश्यन्ति प्रदक्षिणः पदे पदे ॥